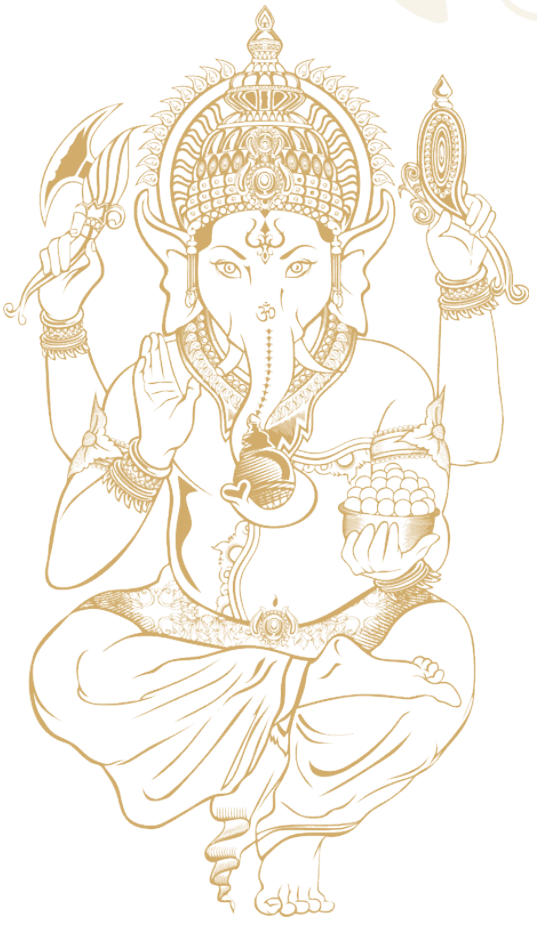

Naveen

Nimisha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121783507

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	19-20/09/1996
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	00:45:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	48:22:54 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Jaipur
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:13:57
16:55:39	सूर्यास्त	18:26:23
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 6मा 9दि	29:59:28	मिथु	लग्न	मिथु	20:42:25	बुध 6वर्ष 9मा 20दि
केतु	20:59:59	तुला	सूर्य	कन्या	03:18:20	शुक्र
18/05/2025	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	24:39:43	11/07/2010
17/05/2032	21:13:20	तुला	मंगल	कर्क	12:22:59	11/07/2030
केतु 14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध व	सिंह	28:49:51	शुक्र 10/11/2013
शुक्र 14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु	धनु	14:25:21	सूर्य 10/11/2014
सूर्य 21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	कर्क	19:54:36	चन्द्र 11/07/2016
चन्द्र 20/11/2027	07:22:28	मक	शनि व	मीन	10:41:52	मंगल 10/09/2017
मंगल 17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु	कन्या	14:14:07	राहु 10/09/2020
राहु 05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु	मीन	14:14:07	गुरु 12/05/2023
गुरु 11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	मक	06:59:52	शनि 11/07/2026
शनि 21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप व	मक	01:14:30	बुध 11/05/2029
बुध 17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	06:58:13	केतु 11/07/2030

लग्न-चलित

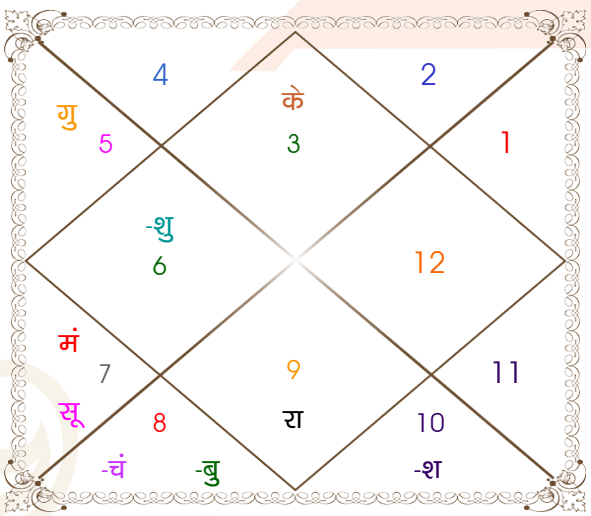

लग्न-चलित

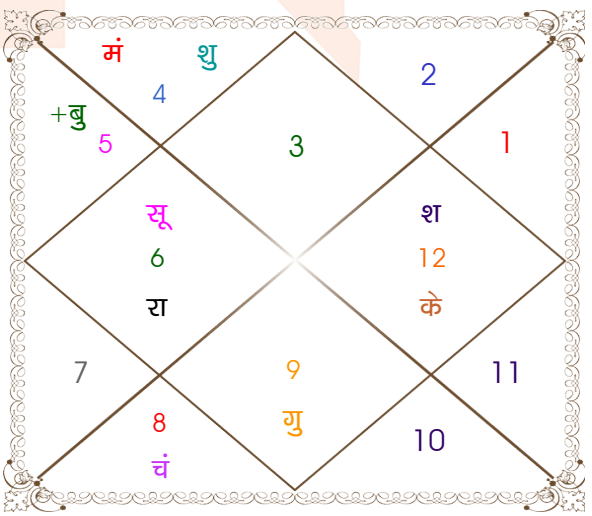

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा छपउर्पी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और छपउर्पी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

छपउर्पी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Naveen तथा छपउर्पी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।